तापमान
अधिकतम 37.4 डिग्री
न्यूनतम 23.5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 12 मई, 2024

9 आंधी से एक दर्जन बिजली पोल टूटे, रात भर बिजली ..

10 बायोमैट्रिक हाजिरी को लेकर बिफरी आंगनबाड़ी...

किराया हर महीने गारंटीड और कीमत बढ़ोतरी
44 फुट चौड़ी सड़कें, पार्किंग व सीवर, पानी
अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर क्लिक करें : http://www.guptaproperty.in/
दुकान, कोठी, प्लॉट व फार्म हाउस खरीदें
शुरू 11 लाख में दुकान
NOC ZONE पक्की रजिस्ट्री
M. 9832100038
Gupta Property हिसार रोड NH 9 पर

शहर में आज

- न्यू राजेंद्रा की सूर्या स्पोर्ट्स क्लब में स्वास्थ्य जांच शिविर और कैरम बोर्ड प्रतियोगिता होगी
- सेक्टर-2 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का स्वास्थ्य जांच शिविर सुबह 10 बजे से
- आर्य समाज रूप नगर में यज्ञ-भजन-प्रवचन सुबह 7.30 बजे
- सेक्टर-4 के पंचमुखी हनुमान मंदिर, सहारा आश्रम में निशुल्क होम्योपैथी कैंप सुबह 9 से 2 बजे तक
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 11 बजे से
- नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा सुबह 9 बजे से

खबर संक्षेप

रेगुलर व री-अपीयर की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की बीएड, बीएड एमआर स्पेशल एजुकेशन दूसरे वर्ष की रेगुलर व री-अपीयर की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 मई से प्रारंभ होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 मई से 5 जून तक आयोजित की जाएंगी।

यूजी-पीजी करीकुलम फ्रेमवर्क तैयार किया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 से स्नातकीय (यूजी) तथा स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधान लागू करने की तैयारियां कर ली हैं। विश्वविद्यालय शैक्षणिक विभागों तथा संबद्ध महाविद्यालयों में ये प्रावधान, नियम विभिन्न पाठ्यक्रमों में लागू किए जाएंगे। एमडीयू की इंटर्नल क्वालिटी एस्युरेंस सेल के निदेशक प्रो. बी. नरसिम्हन ने बताया कि राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत विश्वविद्यालय ने यूजी तथा पीजी करीकुलम एवं क्रेडिट फ्रेमवर्क तैयार किया है।

बसपा प्रत्याशी ने पार्टी को धोखा दिया

रोहतक। रोहतक लोकसभा में बसपा प्रत्याशी राजेश बैरागी के नामांकन वापसी पर बहुजन समाज पार्टी हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष राजबीर सोरखी ने कहा कि राजेश ने अपना नामांकन वापस लेकर पार्टी को धोखा दिया है।

42 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। देश भक्ति स्मारक स्थल नजदीक आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्र देवो भव मिशन अध्यक्ष संत बाबा सुखा शाह महाराज ने बताया कि शिविर में 42 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को महामंडलेश्वर राघवेन्द्र भारती ने आर्शीवाद दिया।

पर्स चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। जिला पुलिस ने मेडिकल स्टोर से हुई पर्स चोरी की वारदात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसे कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया।

डीसी ने नहर व जलघर सहित दर्जनों जगह का दौरा किया, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

जल संकट: टैंकों में मात्र डेढ़ दिन का पानी आज रात नहर में आएगा 200 क्यूसिक पानी

- बार-बार डिमांड के बाद 24 दिन से नहर में पानी नहीं भेजा
- करीब 203 कॉलोनियों और सेक्टर्स में इन दिनों पानी की गंभीर समस्या बनी हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गर्मी के साथ पानी की समस्या भी बढ़ रही है। शहर में सप्लाई के लिए बने टैंकों में अब मात्र डेढ़ दिन का पानी शेष बचा है। नहर में आज रात 200 क्यूसिक पानी आने की संभावना है। यानि जब तक नहर में पानी आएगा, तब तक मात्र आधा दिन का पानी ही शेष बचेगा। ऐसे में यदि किसी कारणवश पानी पहुंचने में देरी हो गई तो गर्मी के मौसम में पेयजल संकट लोगों की आंखों से आंसू निकाल सकता है। पहाड़ों पर बर्फ कम पिंघलने की वजह से नहरों में पानी नहीं आ रहा है। बार-बार डिमांड के बाद 24 दिन से नहर में पानी नहीं भेजा जा रहा। चार में से दो जलघर खाली हो चुके हैं और मात्र डेढ दिन का पानी बचा हुआ है। अधिकतर कॉलोनियों में पानी की सप्लाई बाधित हो रही है। लोग हैंडपंप पर पानी लेने के लिए लाइन में लग रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पानी को लेकर कभी भी हाहाकार मच सकता है। स्थिति को समझते हुए डीसी अजय कुमार ने हस्तक्षेप कर सिंचाई विभाग से 200 क्यूसिक पानी भेजने के लिए कहा है। रात को पानी आने की उम्मीद है। डीसी ने जलघर सहित नहरों का दौरा किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दोनों नहरें काफी समय से सूखी हुई हैं। सिंचाई विभाग का कहना है कि इस बार पहाड़ों पर बर्फ कम पिंघली है इसलिए यहां तक पानी नहीं आ पाया। साथ ही पानी की डिमांड भी बढ़ गई है। ऐसे में रोहतक सहित आसपास के जिलों में जल संकट पैदा हो चुका है। रात को नहर में पानी छोड़ा जाएगा। जिसे कन्हेली हेड से पंप द्वारा जलघर तक लाया जाएगा और कॉलोनियों में सप्लाई किया जाएगा। इसके बाद 16 मई को दोबारा नहर में पानी आने पर ही हालात सामान्य हो पाएंगे।

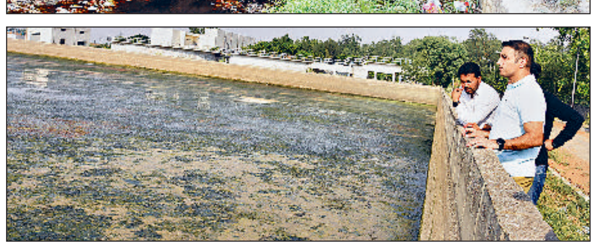

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए ।

यहां बढ़ी पानी की किल्लत

इस समय शहर के सेक्टर एक, दो, तीन, चार, गोहाना रोड, साईदास कॉलोनी, अशोक नगर, तेज कॉलोनी, लाढ़ौत रोड, सरकूलर रोड, झज्जर रोड, झज्जर चुंगी, जगदीश कॉलोनी, रामगोपाल कॉलोनी, शीला बाईपास, आर्य नगर, सूर्या नगर, राजेंद्र नगर, जींद रोड, भिवानी रोड, हिसार रोड, काठमंडी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड आदि एरिया में एक समय भी सप्लाई नहीं आ रही है। बूस्टर के आसपास बनी कुछ कॉलोनियों में ही कुछ समय के लिए एक समय की सप्लाई आ रही है।

डीसी ने टैंकों में पानी का अवलोकन किया

उपायुक्त अजय कुमार ने शहर में पेयजल आपूर्ति को सुचारू ढंग से जारी रखने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ जलघर नंबर एक व तीन का दौरा किया। जहां अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कार्यकारी अभियंता तरूण गर्ग तथा एसडीओ राजेश कुमार के साथ विभाग के 2 जल घरों का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जहां जल घरों के टैंकों में उपलब्ध जल का अवलोकन किया। जलघर संख्या एक में 13 मई तक जलापूर्ति के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध है। अजय कुमार ने जलघर एक के निरीक्षण के उपरांत जलघर तीन के भंडारण टैंकों का निरीक्षण किया तथा इन टैंकों में उपलब्ध जल की अधिकारियों के साथ समीक्षा की। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थानीय सोनीपत रोड के साथ स्थित वाटर चैनल से गाद निकलवाई गई है ताकि नहर में पानी पहुंचते ही जल घरों तक पानी पहुंचाया जा सके। सिंचाई व जन स्वास्थ्य विभागों द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं ताकि शहर वासियों को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े तथा पर्याप्त मात्रा में पेयजल की आपूर्ति हो सके।

टैंकर की मांग बढ़ी

जिन कॉलोनियों में दोनों समय पानी की सप्लाई नहीं आ रही, वहां से पानी के टैंकर भिजवाने की मांग की जा रही है। इसके लिए लोग सम्बंधित एरिया के जेई सहित एसडीओ को शिकायत भेज रहे हैं, लेकिन डिमांड पूरी नहीं हो पा रही।

वार्ड 19 के लोग टैंकर के सहारे

वार्ड नंबर 19 ओल्ड ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पीने का पानी नहीं आ रहा। कॉलोनी में दस से ज्यादा सबमर्सिबल पंप लग चुके हैं। लोगों को टैंकर मंगवा कर पानी लेना पड़ रहा है। टैंकर आने पर भी लाइन लग जाती है। जसबीर ने बताया कि दस दिन से ज्यादा समय से यह परेशानी बनी हुई है।

रोहतक। राष्ट्रीय लोक अदालत में मुकदमों का निपटारा करवाते जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन और प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अनील कौशिक। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय लोक अदालत में 15, 225 मामलों का निपटारा, डेढ़ करोड़ की सेटलमेंट राशि दी

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षा नीरजा कुलवंत कलसन और प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अनील कौशिक के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर में इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 15225 मुकदमों का निपटारा किया गया व 1 करोड़ 83 लाख 48 हजार 619 रुपये बतौर सेटलमेंट रकम दी गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में चार बैंच गठित की गई, जिनमें सेशन डिविजन में एक बैंच रजनी यादव, एडीजे रोहतक के न्यायलय में व जुनियर डिविजन में तीन बैंच क्रमशः हिमांशु आर्य, करणदीप व रवलीन कौर (सभी सिविल जज जुनियर डिविजन) के न्यायालयों में तीन बैंचो का आयोजन किया गया।

लखनऊ मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत

साधारण परिवार की बेटी का हुआ लेफ्टिनेंट के पद पर चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सोनम

गांव मोरखेड़ी में साधारण परिवार में जन्मी बेटी का चयन भारतीय आर्मी में मेडिकल सर्विसेज में लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। जिससे परिवार में खुशी का माहौल है। सोनम निवासी गांव मोर खेड़ी के पिता बिजेंद्र सिंह तोमर स्वास्थ्य विभाग रोहतक में स्वास्थ्य निरीक्षक के पद पर खरावड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत हैं। मां हाउस वाइफ हैं। फिलहाल यह बेटी लखनऊ मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत थी। इस बेटी ने दिन रात मेहनत करके अपने परिवार के गौरव को बढ़ाया है। भारतीय सेवा में चयन होने के बाद से पूरे परिवार में खुशी की लहर है। मेहनत करके इस बेटी ने यह साबित किया है भारत की बेटी भारत का गौरव हैं। स्वास्थ्य सुपरवाइजर बिजेंद्र तोमर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बेटी को मेहनत का परिणाम मिला है जिस पर परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ है।

डीएलएफ में युवक पर बर्फ तोड़ने वाले सुएं से हमला

रोहतक। आर्य नगर थाना क्षेत्र स्थित डीएलएफ कॉलोनी में शनिवार को दो गुटों में झगड़ा हो गया। जहां एक युवक को बर्फ तोड़ने वाले सुएं से हमला कर घायल कर दिया गया। घायल को उपचार के लिए पीजीआई भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 23 वर्षीय अंशुल निवासी सुनारिया कला किसी काम से डीएलएफ में मौजूद था। जहां लड़ाई झगड़ा होने के कारण दूसरे पक्ष ने उसे बर्फ वाले सुए मारकर घायल कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोहतक। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

शोधार्थियों को नवीनतम ज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ कदमताल करना होगा

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के तत्वावधान लेबोरेट्री प्रोटोकॉल्स फॉर आइसोलेशन ऑफ़ कमर्शियली इंपोर्टेंट बायोएक्टिव सबस्टेशंस फ्रॉम माइक्रोऑर्गेनिजम विषय पर कार्यशाला शनिवार को शुरू हुई। डॉ. राधा कृष्णन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उदघाटन कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने किया। उन्होंने माइक्रोबाइलॉजी को मानव कल्याणकारी विज्ञान बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, शोधार्थियों को नवीनतम ज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ कदमताल करना होगा। कुलपति ने डॉ. केके शर्मा द्वारा सृजित उपकरण-आर्टिफिशियल ट्यूब गट रिएक्टर की कार्यप्रणाली देखी। उल्लेखनीय है कि एमडीयू उत्तर भारत का पहला विश्वविद्यालय है जहां माइक्रोबियल इकोलॉजी तथा गट माइक्रोबायोलॉजी की उन्नत, आधुनिक, प्रयोगशाला स्थापित की गई है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. केके शर्मा ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. योगेंद्र पॉल खासा ने विषय से संबंधित एडवांस टेक्निक्स की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

सेशनल मार्क्स अपलोड करने को पैनल 13 से 1 जून तक ओपन रहेगा

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सभी एमएससी पाठ्यक्रमों दो वर्षीय के दूसरे व चौथे सेमेस्टर तथा एमएड तथा एमएड स्पेशल के दूसरे व चौथे सेमेस्टर के सेशनल मार्क्स अपलोड करने के लिए पैनल 13 मई से 1 जून तक ओपन रहेगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों के यूटीडी के दूसरे सेमेस्टर के सेशनल मार्क्स समर्थ पोर्टल तथा चौथे सेमेस्टर के सेशनल मार्क्स ईआरपी पोर्टल पर अपलोड होंगे। संबद्ध महाविद्यालयों के उपरोक्त पाठ्यक्रमों के दूसरे व चौथे सेमेस्टर के सेशनल मार्क्स ईआरपी पोर्टल पर अपलोड होंगे। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

खरकड़ा में ट्रक से तेल चुरा रहे लोगों ने ट्रक मालिक और उसकी पत्नी को पीटा

फायरिंग में एक व्यक्ति घायल, 14 लोगों के खिलाफ महम में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

खरकड़ा गांव में ट्रक से तेल चुरा रहे लोगों ने ट्रक मालिक और उसकी गर्भवती पत्नी पर हमला कर दिया। इस हमले में जहां ट्रक चालक का हाथ टूट गया वहीं अन्य एक व्यक्ति को फायरिंग के दौरान गोली लगी है। इस संबंध में महम पुलिस ने 14 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में जिला चरखी दादरी के मांडी गांव निवासी अनिल कुमार ने बताया कि फिलहाल वह दिल्ली के नजफगढ़ स्थित प्रेम नगर में रहता है। वह ट्रांसपोर्ट का काम करता है। उसके पास पांच ट्राले हैं। सभी ट्राले रोड़ी, बजरी की सप्लाई के काम में लगा रखे हैं। उसका एक ट्राला है, जिस पर चरखी दादरी के बादल गांव का राजेश पुत्र भरथ सिंह ड्राइवर है। इस गाड़ी में जीएसबी भरी हुई थी। यह जीएसबी पानीपत रिफाइनरी में खाली करके आनी थी। गाड़ी अटेला क्रेशर से जीएसबी लोड करके तीन चार बजे चली थी। अनिल कुमार ने बताया कि उसे अपने ड्राइवर को गाड़ी की आरसी देनी थी। इसके लिए उसने अपने ड्राइवर फोन करके पूछा तो उसने बताया कि उसकी गाड़ी खरकड़ा गांव में 152 डी पर मोखरा की ओर जाने वाली सड़क के पुल पर खड़ी है और वह इसमें सो रहा है। वह अपनी पत्नी बबीता को साथ लेकर अपने एक दोस्त की कार लेकर मौके पर पहुंचे। ड्राइवर ने फोन नहीं उठाया, क्योंकि वह गाड़ी के अंदर ही सो रहा था। वह पैदल पैदल ट्रक को वहां पर ढूंढते हुए ट्रक के पास पहुंच गया। यहां पर ट्रक से तीन आदमी डीजल चोरी कर रहे थे। उसने टोका तो तेल चोरी करने वालों ने कहा कि वह कौन है। उसने कहा कि वह ट्रक का मालिक है। एतराज करने पर आरोपितों ने उसके साथ और उसकी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट की। झगड़ा बढ़ने पर उसने पुलिस को 112 नंबर पर कॉल करके मौके पर बुलाया।

सीएम के पूर्व ओएसडी अमरजीत सोलंकी भाजपा में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

- पूर्व आईएएस धर्मबीर खटक व सेवानिवृत प्रोफेसर जयनारायण ने भी भाजपा का थामा दामन

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को सेक्टर 36 स्थित मंगल कमल कार्यालय पहुंचे और पूर्व ओएसडी सीएम अमरजीत सिंह को भाजपा में शामिल करवाया। साथ ही जींद के पूर्व आईएस अधिकारी धर्मबीर खटक व सेवानिवृत प्रो. जयनारायण ने भी समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा। मनोहर लाल ने पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों को पूरा मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व सीएम ने कहा कि प्रदेश में लगातार भाजपा का कुनबा बढ़. रहा है और देश की जनता को मोदी सरकार की गारंटी पर पूरा विश्वास है। जेजेपी नेत्री नैना चौटाला के चुनाव प्रचार के दौरान काफिले पर पथराव के सवाल पर पूर्व सीएम मनोहर लाल ने निंदा की और कहां कि इस तरह की हरकतें लोकतंत्र पर धब्बा है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, जिला अध्यक्ष रणबीर सिंह ढाका, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर खरक,प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन व नगेन्द्र शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

रोहतक। पूर्व ओएसडी सीएम अमरजीत सिंह, पूर्व आईएस अधिकारी धर्मबीर खटक व सेवानिवृत प्रो. जयनारायण को भाजपा का पटका पहनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

चुनावी विज्ञापनों के प्रकाशन व प्रसारण से पूर्व प्रमाण पत्र लेना जरूरी

मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मीडिया कमेटी रखेगी पेड न्यूज व राजनीतिक विज्ञापनों पर पैनी नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

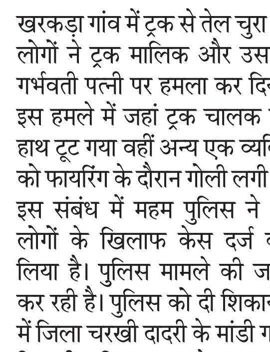

जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिला में लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा पेड न्यूज व राजनीतिक विज्ञापनों पर पैनी नजर रखी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उम्मीदवार व राजनीतिक दल के चुनाव प्रचार से संबंधित सामग्री के प्रसारण से पूर्व एमसीएमसी कमेटी से प्रमाण पत्र लेना होगा वहीं प्रिंट मीडिया में मतदान से पहले व मतदान के दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन का भी प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है। लोकसभा आम चुनाव के दौरान उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों के प्रचार-प्रसार पर निरंतर निगरानी रखने के लिए जिला स्तर पर मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) का गठन किया गया है। यह कमेटी चुनाव के दौरान प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर राजनीतिक चुनाव प्रचार की मॉनिटरिंग कर रही है। इसके अलावा कमेटी का कार्य पेड न्यूज पर कार्रवाई करना व मीडिया माध्यमों पर चुनावी विज्ञापनों के प्रकाशन व प्रसारण से पूर्व प्रमाण पत्र प्रदान करना है।

अजय कुमार ने कहा है कि प्रचार सामग्री का प्रमाण पत्र लेने के लिए 48 घंटे पहले एमसीएमसी के पास प्रमाण पत्र के लिए निर्धारित फार्म में आवेदन करना होगा। जिला प्रशासन की ओर से जिला खजाना कार्यालय भवन की द्वितीय तल पर स्थित डीआईपीआरओ कार्यालय में मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी सेल स्थापित किया गया है। लोकसभा आम चुनाव के दौरान उम्मीदवार एवं राजनीतिक दल चुनावी विज्ञापनों के प्रकाशन एवं प्रसारण के लिए प्रमाण लेने के लिए डीआईपीआरओ कार्यालय में स्थापित मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग सेल में संपर्क कर सकते हैं।

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरोख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा

बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

आईडियाः शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

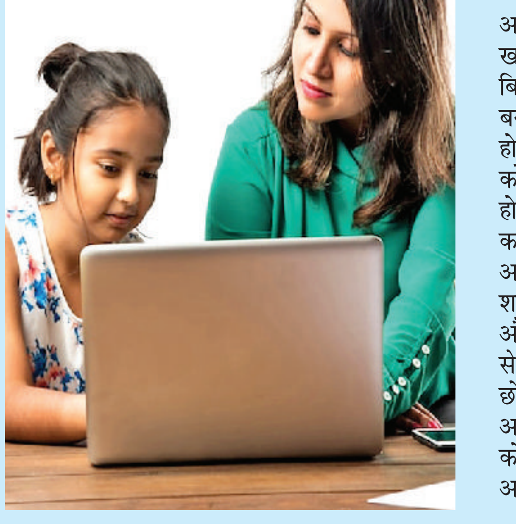

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

जानकारी

बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिज़नस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिज़नस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्ट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलाव छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिजनस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिज़नस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिज़नस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिज़नस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिज़नस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिज़नस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी दुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

खबर संक्षेप

बच्चों ने माताओं की आरती उतारी

रोहतक। न्यू विद्या भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों की माताओं को आमंत्रित किया गया।बच्चों ने अपनी माताओं को तिलक लगाया और आरती उतारी। बच्चों ने समूह नृत्य व कविताएं आदि प्रस्तुत किए। माताओं ने म्यूजिकल चेयर, बिल्डिंग ब्लॉक आदि में बढ़चढ़कर भाग लिया।

भगत सिंह पार्किंग से बाइक चोरी

रोहतक। गोहाना अड्डा के पास स्थित भगत सिंह पार्किंग से एक बाइक चोरी हो गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। किला रोड चौकी में दी शिकायत में अनिल कुमार निवासी गांव खरकड़ा महम ने बताया कि वह इस समय रामगोपाल कालोनी रोहतक गली नम्बर 13 में रहते हैं। दस मई की शाम साढ़े पांच बजे भगत सिंह पार्किंग किला रोड पर अपनी बाइक नम्बर एचआर 12 वी 9747 लेकर गया थे।

अकेले सांपला में सौ से अधिक पेड़ टूटे, यातायात रहा प्रभावित

आंधी से एक दर्जन बिजली पोल टूटे, रात भर बिजली गुल, पानी की सप्लाई रुकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक/सांपला

जिले में शुक्रवार देर रात आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। कई जगह बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर, शेड टूट गए। इसके अलावा भारी भरकम पेड़ भी धमाकों के साथ उखड़कर जमीन पर गिर गए। कई जगह लोगों को हल्की चोटें आई हैं। इसके अलावा गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। कई क्षेत्रों में बिजली बाधित रहने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पेड़ और पोल गिरने की वजह से रास्ते बंद हो गए और यातायात प्रभावित रहा। दिनभर बिजली निगम व वन विभाग की टीम राहत कार्य में जुटी रही। शनिवार की देर शाम बिजली चालू हो पाई।

शुक्रवार की देर शाम आई तेज आंधी की वजह से अलग-अलग लाइनों के करीब एक दर्जन बिजली के पोल टूट गए। सांपला - खरखोदा मार्ग हसनगढ़ डीएवी स्कूल के पास में रोड पर स्थित वर्षों पुराना बड़ का पेड़ उखड़ गया और बिजली की लाइन पर गिरा। 11 हजार वोल्टेज के तार टूट कर गिर गए। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। इसके अलावा हसनगढ़-गिझी मार्ग पर भी 5 बिजली के तार टूट गए। दिमाना लाइन पर भी पोल टूट गया। ग्रामीण क्षेत्र में कहीं 14 तो कहीं 20 घंटे में बिजली दोबारा से चालू हो पाई। जिसकी वजह से लोगों के जन-जीवन पर असर पड़ा। वही जसराना माइनर ,दुलेड़ा माइनर के अलावा आंधी से पेड़ उखड़ कर सड़कों पर गिर गए। जिसे वाहन चालकों का रास्ता बाधित रहा। सुबह ही विद्युत निगम की टीम लाइनों को ठीक करने में जुट गई दूसरी और वन विभाग के भी कर्मचारी रास्तों पर पड़े पेड़ों को हटाने में जुटे रहे।

रोहतक। आंधी से उखड़े पेड़।

सौ पेड़ उखड़े

वन विभाग के कर्मचारी अनिल कुमार ने बताया कि करीब 100 पेड़ उखड़ने की जानकारी है। खेतों में उखड़ने वाले पेड़ों की संख्या अलग बताई जा रही है। आंधी इतनी तेज थी कि कई फैक्ट्रियों के शेड भी उड़ गए।

इन्वर्टर ने भी दिया जवाब

रोहतक के लाढ़ौत रोड, सुखपुरा चौक, गोहाना अड्डा, डीएलएफ कालोनी, आर्य नगर, प्रेम नगर, दुर्गा कॉलोनी, सोनीपत स्टैंड सहित बाहरी कॉलोनियों की बिजली सप्लाई बाधित रही। इसके अलावा सांपला के गांव गिझी ,दतोड़, समचाना , हसनगढ़ सहित कई गांव में बिजली बाधित होने की वजह से पानी की सप्लाई बाधित रही। लंबे कट की वजह से इन्वर्टर भी जवाब दे गए। दिन में अधिक तापमान बढ़ने की वजह से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

12 पोल टूटे: बिजली निगम के एसडीओ जोगिंदर सिंह मोर का कहना कि इलाके में अलग-अलग लाइनों पर करीब 12 पोल टूट गए। देर शाम तक अधिकतर एरिया में बिजली सप्लाई चालू कर दी गई।

मार्केट न्यूज

11 साल में बनी बड़ी पहचान आभूषणों के लिए सबसे भरोसेमंद संस्थान प्रेमसंस ज्वैलर्स

रोहतक। रेलवे रोड, रोहतक पर स्थित प्रेमसंस ज्वैलर्स जहां विवाह-शादी व अन्य प्रोग्राम के लिए आधुनिक व फैंसीबल ज्वैलरी विशेष तौर से उपलब्ध। शोरूम के प्रो. विपुल आहुजा और आशीष आहुजा ने बताया कि आज के दौर में सोना व चांदी के भाव लगातार बढ़ रहे हैं, जिसके चलते आम आदमी की पहुंच ज्वैलरी से दूर होती जा रही है। उनके लिए एडवांस बुकिंग की सु[illegible] (शुद्धता) मानकों के मुताबिक खरी मिलती है। ज्वैलरी के साथ-साथ चांदी की मूर्ति, गिफ्ट आईटम, सिक्के आदि तैयार मिलते हैं व आर्डर पर भी बनाये जाते हैं। ग्राहक की हर तरह की संतुष्टी ही हमारा ध्येय है। सोने में हार, अंगूठी, चैन, कड़े व अन्य ज्वैलरी ग्राहकों को देखते ही डिजाइन पसंद आ रहे हैं। साथ ही प्रेमसंस ज्वैलर्स पर डायमंड ज्वैलरी जेम्स स्टोन (राशि नग) इत्यादि भी प्योरिटी के साथ उपलब्ध हैं। विपुल ने बताया कि ग्राहक की संतुष्टी ही हमारा ध्येय है।

मां की ममता, स्नेह व त्याग के बारे में बताया

रोहतक। गोहाना रोड स्थित उपकार हाई स्कूल में शनिवार को मदर्स डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, भाषण गायन आदि अनेक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान स्कूल के निदेशक विजय कायत ने विद्यार्थियों को मां की ममता, स्नेह और त्याग के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या सीमा श्योराण सहित स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

मां भगवान का दूसरा रूप

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में मदर्स डे हर्षोल्लास से मनाया गया। दसवीं क्रिएटर्स के छात्रों द्वारा प्रातः कालीन सभा में मातृ अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच संचालन दसवीं कक्षा की छात्रा मानसी ने किया। बच्चों नें मां के प्रति अपना प्रेम और श्रद्धा प्रकट करते हुए मंच पर अनेक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। नर्सरी से यू केजी के छात्रों की माताओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। छात्रों ने एक सुंदर समूह गान द्वारा अपनी भावनाओं को दर्शाते हुए बताया कि एक मां ही है जो हमारी जीवन रूपी नैया को चलाने वाली खेवैया है। मां एक ऐसा शब्द है जिसे किसी परिभाषा की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह मात्र शब्द नहीं बल्कि एक एहसास है। विद्यार्थियों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाकर अपनी मां के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के एडमिन डायरेक्टर कृष्ण कुमार ने कहा कि मां भगवान का दूसरा रूप है। उनके चरणों में सभी तीर्थ स्थल विराजमान हैं। हमें उनकी सेवा व सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर राहुल सहगल, विंग इंचार्ज पिंकी लांबा, सुदेश दहिया, शिवानी मिश्रा, कविता हुड्डा आदि मौजूद रहे।

मातृ दिवस पर माताओं ने दिखाई प्रतिभा

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के सभी बच्चों ने उल्लास के साथ मातृ दिवस मनाया। पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में मदर्स डे के उपलक्ष में कक्षा नर्सरी से कक्षा एक तक की माताओं के लिए कई प्रकार की गतिविधियों जैसे, टंग ट्विस्टर, तंबोला, रैंप वॉक, नृत्य तथा वन मिनट गेम आदि का आयोजन किया गया, जिसमें सभी माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद सभी स्विमिंग पूल पर इकट्ठा हुए, जहां सभी ने गोवा थीम पर डांस किया व स्विमिंग का आनंद लिया। मंच संचालन कोमल भुट्टन तथा सुमन राठी द्वारा किया गया। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंड वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप प्रधानाचार्या सुनीता मोर ने बच्चों को बताया कि आज हम जो कुछ भी हैं, वह अपनी माताओं की बदौलत है। मां एक एहसास है, धड़कन है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने बच्चों को सदैव उनका सम्मान करने की शिक्षा दी।

जेपी इंटरनेशनल विद्यालय में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

मातृ दिवस के अवसर पर जेपी इंटरनेशनल विद्यालय सेक्टर 36 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। आयोजन की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष राजीव मलिक, रीटा मलिक, निदेशक गौरव मलिक व प्राचार्य बाई नाथ नाईक ने की। निदेशक ने माताओं के समर्पण को अनमोल बताते हुए उन्हें भगवान से भी बढ़ कर बताया। इस मौके पर विभिन्न प्रकार के खेलों लेट एस डबल डीलिंग, वैगन व्हील, ब्लूअप बैलून, बीड्स इन दा नीडल, ब्रिंजल पियर्सिंग, रैंप वॉक, ग्रुप डांस, थिएटर मूवी, रोबोटिक एग्जिबिशन आदि का आयोजन किया गया। विजेता माताओं को उपहार दिए गए। नन्हे मुन्ने छात्रों ने अपने बेहतर प्रदर्शन से सभी को भाव विभोर कर दिया।

मां हमारे जीवन का अनमोल रत्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल कारोर में मातृदिवस समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कविता, समूह गान, एकल नृत्य, नाटक विमोचन तथा कला प्रतियोगिताओं जैसे ग्रीटिंग कार्ड, फोटो फ्रेम, कृत्रिम गुलदस्ता, पर्स, बैंगल डेकोरेशन, मिरर डेकोरेशन, वॉल हैंगिंग आदि का आयोजन किया गया। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने इसमें बढ़चढ़ कर भाग लिया। नर्सरी कक्षा से जन्नत, अर्थ, दिव्यांशी, खुशी, द्वितीय कक्षा से जीविका, वाणी, जन्नत और प्रथम कक्षा से लक्ष्य, धैर्य, गौरिक व प्राची ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति देकर सबको भाव विभोर कर दिया। केजी कक्षा की लावण्या ने एकल नृत्य पर शानदार प्रस्तुति दी। वहीं नेहल, कनिका, शिवम, इरा, परी, रिमिशा, प्राची, माही व दिपांशी ने भी अपनी कौशलता का बेहतरीन प्रदर्शन प्रस्तुत किया। सातवीं कक्षा से युविता व पायल ने नाटक विमोचन पर वृद्धाश्रम के अस्तित्व पर कटाक्ष करते हुए नई पीढ़ी को अपने माता-पिता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। संस्था के निदेशक वैदिक विद्वान ईश्वर सिंह मलिक व प्राचार्या ज्योति दलाल ने कहा कि मां शब्द में ही एक अद्‌भुत शक्ति है। मां हमारे जीवन का एक अनमोल रत्न है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कर्नल आरएस मलिक, मेजर ओपी सांगवान, नरेश हुड्डा, सीमा शर्मा, नरेन्द्र सिंह, बबीता दूहन, रीना पाटिल, जयदीप जांगड़ा, स्वीटी ढाका, सरजीत सिंह, डिम्पल भारद्वाज, नितिका, प्रियंका, निर्मला मालिक, यशवंती, सुमन सिंधु, गायक हिमांशु, रीना देशवाल आदि उपस्थित रहे।

मां की आज्ञा का पालन करें

रोहतक। गोहाना रोड स्थित शिक्षा भारती विद्यालय में शनिवार को मातृ दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजिका आचार्या मोना ने बताया कि विद्यालय में प्रतिवर्ष मातृ दिवस का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य हमारी भावी पीढ़ी को इस बात का ज्ञान कराना है कि वह अपने अभिभावकों के महत्व को समझें और उन्हें सम्मान दें और उनकी आज्ञा का पालन करें। उन्होंने बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति में हर दिन मातृ पूजा का विधान है और हम सभी भारतीय अपने देश को भारत मां कहते हैं। माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर है इसलिए हम सभी को यह समझना जरूरी है कि माता के समान कोई नहीं क्योंकि वह हमारे जीवन को संवारती है। मुख्य अतिथि एवं सेवानिवृत प्राचार्या बीना कौशिक ने कहा कि मां बच्चे की प्रथम गुरु होती है और बच्चा अपनी मां से वह सब कुछ सीख जाता है जो शायद उसे कभी सिखाया नहीं जाता, इसलिए हम सबका यह कर्तव्य है कि हम अपने व्यवहार में इस तरह का आचरण करें जिससे बच्चे का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने सभी माताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मतदान उनका मौलिक अधिकार है और उन्हें इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

डॉ. सतीश व डॉ. लालचंद बने ईएचएमसी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन

रोहतक। इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा की बैठक झज्जर में हुई। जिसमें कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस मौके पर डॉ. सतीश मलिक रोहतक व डॉ. लालचंद गुप्ता अंबाला को इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा में न्यू एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और डॉ. एएस दांगी को इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा में साइंटिफिक एडवाइजर नियुक्त किया गया। ईएचएमसी के चैयरमैन डॉ. विनोद खनगवाल ने बताया कि डॉ. विनोद टोबडिया, डॉ. देवेंद्र पानीपत, डॉ. संजू वर्मा, डॉक्टर पीके अरोड़ा, डॉ. रविदास झज्जर को पदभार से मुक्त किया गया। डॉ. विनोद तोगड़िया जो काउंसिल में वाइस चेयरमैन के पद को संभाल रहे थे। इस अवसर पर डॉ. विनोद खनगवाल ने बताया कि मीटिंग में आगे की रणनीति पर चर्चा हुई, जिसमें आगे आने वाली केंद्र सरकार व राज्य सरकार में आगे होने वाली राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया।

राखी ने बेस्ट मोम और संतोष ने जीता बेस्ट दादी का अवॉर्ड

रोहतक। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल दत्तौड़ में मदरस डे का धूमधाम से मनाया गया जिसमें बच्चों की माताओं और दादियों ने भाग लिया। इस दौरान अग्नि रहित खाना बनाने की तकनीक प्रतियोगिता में माताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद टी शर्ट डिजाइन, बेस्ट सेल्फी, रैम्प वाक, नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्तिक, तनवी, भूमित, वर्तिका, प्रिशा, देवांशी, अभय, अभिनंदन, रुद्रांश, तृषा, रिद्धी आयंश की माताओं ने भाग लिया। बेस्ट मोम व बेस्ट दादी प्रतियोगिता में बेस्ट मोम का अवॉर्ड आरव और अविका की माता राखी तथाबेस्ट दादी का अवॉर्ड अदम्य और अभिनंदन की दादी संतोष ने हासिल किया। सह निदेशिका संतोष कौशिक ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन ज्योति प्राइमरी हैड, तनु उपप्राचार्या तथा स्टाफ के सभी सदस्यों के सहयोग से किया गया। निदेशक एएस कौशिक ने मां के महत्व पर विचार रखे और सभी का आभार व्यक्त किया।

लेमन रेस में सोनिका, देव और पोस्टर में खुशी, दीप्ती प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एसवीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग बालंद में नर्सिस सप्ताह का आयोजन किया गया। नर्सिस सप्ताह की शुरुआत डायरेक्टर श्रीपाल बड़क, सुमित बड़क (एमडी) व अन्य स्टाफ ने दीप प्रज्वलित कर की।

यह दिन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल को समर्पित है। उनकी याद में ही 12 मई को नर्सिस डे मनाया जाता है और 6 मई से नर्सिस सप्ताह की शुरुआत की जाती है। इस मौके पर कई प्रतियोगिताएं जैसे आर्म रेसलिंग, लेमन रेस आदि आयोजित की गई। पोषण कार्यक्रम आयोजित किया गया, नर्सिस सप्ताह क्रम में पोस्टर बनाए गए व सेमिनार करवाया गया जो कि नर्सिस थीम पर आधारित रहा। कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता व डीबेट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। शनिवार को समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले, गेम्स आदि आयोजित किए गए। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। लेमन रेस में सोनिका और देव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, आर्म रेसलिंग में चिराग, रिचा, अंजली, निधि व सुनिता प्रथम हासिल किया।

संकीर्तन में भजनों की अमृत वर्षा

रोहतक। शहीद मदनलाल धींगड़ा कम्यूनिटी सेंटर में नटखट कान्हा क्लब की ओर से मन की बात सावरे के साथ संकीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें श्री 1008 स्वामी परमहंस कालिदास महाराज द्वारा बाबा की ज्योति प्रज्वलित की गई। कार्यक्रम में मुख्य यजमान राजेश जैन और पूर्व मेयर मनमोहन गोयल रहे। कीर्तन में नंद किशोर शर्मा अहमदाबाद से, अंकित शर्मा फरीदाबाद से, प्रेरणा मित्तल दिल्ली से और सौरभ सवारियां सहारनपुर वाले ने भजनों की अमृत वर्षा की।

सूचना

मैं, संदीप सिंधु पुत्र समुन्द्र सिंह निवासी मकान नंबर 922, सैक्टर-2, रोहतक, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पत्नी सरिता देवी उर्फ सरिता सिंधु तथा मेरा पुत्र ध्रूव सिंधु मेरे कहने–सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल/संबंध विच्छेद करता हूं। इनसे लेन–देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जॉन वेस्ले में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम

बच्चों ने माताओं के प्रति प्यार व्यक्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में मातृ दिवस के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य ममता मलिक ने बताया कि विद्यालय के छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय उपलब्धियां प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने निशानेबाज चित्रांशी शर्मा की सफलता की सराहना की। बच्चों द्वारा गायन, नृत्य प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बच्चों ने एक्ट प्रस्तुति से अपनी जिम्मेदारियों को संभालने व बड़ों का सम्मान करने की सीख दी। बच्चों ने डांस विद मॉम, सिंगिंग विद मॉम, नॉन फायर कुकिंग विद मॉम, सेल्फी विद मॉम में भावों से भरी सुंदर प्रस्तुतियां दी। हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी, वेस्टर्न गीतों पर थिरकते बच्चों ने मां के प्रेम, त्याग, आत्मविश्वास व अद्भुत आयाम जैसे गुणों पर भावभीनी प्रस्तुतियां दी। नॉन फायर कुकिंग विद मॉम प्रतियोगिता में अनायरा रीवा, दक्षवर्धन, सीरत दुआ पहले स्थान पर, ग्रेसिया, दिवम गुप्ता, भावण्या, पीहू, जीनल, ईशानी दूसरे स्थान पर, गीतिका, कश्वी, तौशिव, दिवांश तीसरे स्थान पर रहे। सिंगिंग विद मॉम में प्रियांश प्रथम, अविका द्वितीय और साहिब ने तृतीय स्थान, डांस विद मॉम के चारों ग्रुप में अमायरा मक्कड़, हनविका, हेयांश वधवा, वर्तिका वर्मा ने पहला, गौरिका नागपाल, अनायरा, रावी, रीवा, दक्ष ने दूसरा और आयरा, नायरा, युवान, अक्षा सिंह व प्रणवी चावला ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी तरह से सेल्फी विद मॉम में माताओं के प्रति प्यार और आभार प्रकट करते बच्चों ने मां के साथ स्लाइड्स बनाई। जिसमें प्रथम सहर, द्वितीय प्रिंसेस और तृतीय स्थान निहारिका ने हासिल किया। विजेताओं को मुख्यातिथि शक्ति सिंह अहलावत ने सम्मानित किया। सभी को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी।

रोहतक। विजेता को सम्मानित करते मुख्यातिथि शक्ति सिंह अहलावत , डायरेक्टर सुरेंद्र मलिकव प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE

निःसंतान दम्पत्तियों
को शादी के सालों साल बाद जब हमारे ईलाज से उन दम्पत्तियों को संतान सुख प्राप्त हुआ, उन लाभार्थ दम्पत्तियों के नाम व पते हमारे पास सुरक्षित हैं।
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- B.A.M.S. DOCTOR 4
- R.M.O. 6
- COMPUTER OPERATOR 4
- CHEMIST SHOP STAFF 2
- NURSING STAFF 10
- WARD BOY 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

बायोमैट्रिक हाजिरी को लेकर बिफरीं मिड-डे-मील वर्कर्स

26000 रुपये वेतन की मांग को लेकर किया प्रदर्शन और सौंपा ज्ञापन

रोहतक। शनिवार को मांगों को लेकर प्रदर्शन करतीं और डीईईओ को ज्ञापन सौंपती मिड डे मील वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मिड-डे-मील कर्मियों ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया और डीईईओ के माध्यम से निदेशक को ज्ञापन भेजा। कर्मियों ने चेतावनी दी कि भाजपा सरकार जल्द समाधान करें नहीं तो चुनाव में परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

मिड-डे-मील वर्कर्स ने बताया कि बायोमैट्रिक हाजिरी बंद करवाई जाए, 12 महीने का वेतन व 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन मिलना चाहिए। इसके अलावा 5 लाख रुपये रिटार्यमेंट लाभ, रिटार्यमेंट की उम्र 65 करने, 2000 रुपए वर्दी भत्ता करने, पीएफ, ईएसआई लागू करने व पक्का कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शन का नेतृत्व बबीता और व संचालन राजबाला ने किया।

कर्मियों ने बताया कि हमारी सुध कौन लेगा पता नहीं। सीटू जिला प्रधान कमलेश लाहली, सहसचिव प्रकाशचंद्र ने कहा कि भाजपा कि केन्द्र व राज्य सरकार समाज के सबसे कमजोर हिस्से से आने वाली मिड डे मील कमीर्यों का शोषण कर रही हैं। मंहगाई के कारण वर्कर्स व जनता को परिवार चलाना मुश्किल हो गया हैं।

■ 5 लाख रुपये रिटार्यमेंट लाभ, रिटार्यमेंट की उम्र 65 करने, 2000 रुपये वर्दी भत्ता करने, पीएफ, ईएसआई लागू करने की मांग रखी

सालभर में मिड डे मील कर्मियों को 10 माह का ही वेतन दिया जाता है।

करना पड़ता है इंतजार

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि मिड डे मील वर्करों को हर माह मानदेय देने की बजाए कई-कई महीने तक मानदेय का इंतजार करना पड़ता हैं। लम्बे समय से मिड डे मील में काम कर रही कर्मियों को न तो पीएफ, ईएसआई का लाभ मिलता है और न ही रिटायरमेंट बैनिफिट मिलता है। पिछले दिनों सरकार के आदेश का हवाला देकर स्कूलों में मिड डे मील कमीर्यों को 9 से 2.30 बजे तक स्कूल में बायोमैट्रिक हाजिरी के लिए रखा जाता है।

कर्मचारियों में असंतोष

यूनियन नेत्री सरला भालोठ, फूलपति, भारती, कमलेश, भतेरी, शकुंतला,बिमला, गीता ने बताया कि स्कूलों मे मिड डे मील कर्मियों से बेगार तक करवाया जाता है। ऐसे हालात में मिड कर्मियों में भाजपा सरकार के खिलाफ असंतोष बना हुआ है। सीटू व यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार ने जल्द मांगों का समाधान नहीं किया तो इसका खामियाजा वर्तमान में होने जा रहे लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

खबर संक्षेप

बृजभूषण पर आरोप तय होना खिलाड़ियों की जीत

रोहतक। जनवादी महिला समिति ने कहा है कि बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय होना लड़की पहलवानों की जीत है। समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान, राज्य अध्यक्ष सविता व महासचिव उषा सरोहा ने कहा कि एफआईआर दर्ज करवाने से आरोप तय होने तक खिलाड़ी लड़कियों ने बहुत ज्यादा प्रताड़ना झेली। अपने कैरियर को दांव पर लगाकर महीनों लम्बा आंदोलन लड़ा। जिसकी वजह से उनका संघर्ष रंग लाया। गौरतलब है कि छह महिलाओं की तरफ से यौन उत्पीड़न के मुकदमे में बृज भूषण शरण सिंह और विश्व कुश्ती संघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ दिल्ली की कोर्ट में आरोप तय किए हैं।

भाजपा ने चलाया बूथ महासंपर्क अभियान

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी बूथ महासम्पर्क अभियान के तहत रोहतक विधानसभा के बूथ नंबर 56 के भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों से सम्पर्क कर भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज मोदी ब्रांड भारतीयों की सुरक्षा की गारंटी बन गया है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए मोदी सरकार ने दुश्मन के घर में घुसकर मारने की नीति अपनाई है। रूस-यूक्रेन के दौरान यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों को सुरक्षित भारत लाया गया। कतर जैसे कट्टर मुस्लिम देश में फांसी की सजा पाए 8 पूर्व नौसेनिक अधिकारियों की सजा माफ करा कर सह सम्मान लाया गया।

भाजपा जा रही है कांग्रेस आ रही है: दीपेंद्र हुड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने शनिवार को बहादुरगढ़ के गांव मांडौठी, मेहंदीपुर डाबोदा, नूना माजरा, लोवा खुर्द, सोलधा, नया गांव (जटयान), नया गांव (सैनियान), इसरहेड़ी, सिद्दीपुर, लोवा कलां, बालौर, आर्य नगर, वार्ड-23, किला मोहल्ला आदि इलाकों में चुनाव प्रचार किया और कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की।

इस दौरान तपती दोपहरी में भी गांवों में जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया गया। कहीं दूध, कहीं सीत, कहीं चूरमा तो कहीं फूल बरसाकर जनता ने अपना समर्थन दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने विश्वास दिलाया कि ये आशीर्वाद खाली नहीं जाएगा और वाया दिल्ली चंडीगढ़ में सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अल्पमत की सरकार चल नहीं रेंग रही है। चुनाव प्रचार में भाजपा नेताओं की बौखलाहट इस बात का सबूत है कि भाजपा जा रही है कांग्रेस आ रही है। आज हरियाणा में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। पढ़े-लिखे नौजवानों के लिए कोई काम नहीं है। पूरे प्रदेश में इस सरकार के खिलाफ इतनी नाराजगी है कि भाजपा को चुनाव के ठीक पहले सरकार का चेहरा बदलना पड़ गया। इस दौरान विधायक राजेन्द्र जून, विधायक सुरेन्द्र बवाना, राजस्थान की कांग्रेस विधायक डॉ. शिखा मील बराला मौजूद रहीं।

केवीएम पब्लिक स्कूल में मातृदिवस मनाया

रोहतक। केवीएम स्कूल में मातृ दिवस पर मातृ अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। सभी माताओं से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई गई। जिसमें आलू छीलना, गिलास पिरामिड, बिंदी पेस्टिंग आदि गतिविधियां कराई। विजेता रही सभी माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मातृ दिवस की मुख्य अतिथि सुनीता मायना ने सभी माताओं को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहां कि मातृ दिवस केवल एक दिन नहीं बल्कि हमें प्रतिदिन मनाना चाहिए। स्कूल प्रधानाचार्या मीना कौशिक जी ने सभी माताओं को मातृ दिवस की हार्दिक

हर स्वस्थ व्यक्ति तीन महीने में करें रक्तदान : देवेंद्र शर्मा

रोहतक। रक्तदाताओं को सम्मानित करते समाजसेवी देवेंद्र शर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मां दानों देवी धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर लगाया गया। समाजसेवी देवेंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को 3 महीने में रक्तदान करना चाहिए।

डॉ. प्रदीप ने थेलसिमिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कैसे इस बिमारी की जांच हो, इसके लक्षण क्या क्या हैं और इससे बचाव और रोकथाम कैसे किया जाता है। सरकार द्वारा थेलेसिमिया पीड़ित बच्चों के लिए क्या क्या सुविधाएं दी जा रही हैं। ट्रस्ट के संस्थापक तस्वीर सिंह हुड्डा ने रक्तदाताओं को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। नियमित रक्तदान से ही थेलेसिमिया और ब्लड कैंसर से पीड़ितों को खून मिल सकता है। इस मौके पर चालक रामबीर, रामकुवार, शिलक राम, कृष्ण, चांद, अजीत आदि मौजूद रहे।

दा आर्यन ग्लोबल स्कूल में माताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ प्रधानाचार्य आरके खन्ना व समस्त स्टाफ ने सभी माताओं का अभिनंदन

करौथा स्थित दा आर्यन ग्लोबल विद्यालय में मातृ दिवस पर मातृ शक्ति के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यार्थियों की माताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रधानाचार्य आरके खन्ना व समस्त स्टाफ ने सभी माताओं का अभिनंदन किया। मातृ शक्ति के मनोरंजन के लिए विभिन्न गतिविधियों, खेल व नृत्य का आयोजन किया गया।

प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने मां के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनको सर्वोच्च स्थान देने, सदैव प्रसन्न रखने व आभार व्यक्त करने का संदेश दिया। गतिविधियों में प्रथम स्थान ग्रहण करने वाली माताओं को पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। निदेशिका सुनीता अहलावत ने मातृ शक्ति को उनके महत्व से अवगत कराया तथा एक बालक के जीवन में उनकी श्रेष्ठ भूमिका की प्रशंसा की।

रात एक बजे भी फोन करोगे तो खड़ा मिलेगा आपका बेटा : अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भाजपा सांसद डॉ. अरविंद शर्मा ने शनिवार को शहर में कई कार्यक्रमों में शिरकत की। शर्मा ने कहा कि हुड्डा परिवार को अभी से अपनी हार का अंदेशा हो गया। कांग्रेस रोहतक सीट पर माहौल खराब करना चाहती है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और इस साजिश को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। सांसद ने कहा कि सबको पता है कि कांग्रेस शासन काल के गुंडागर्दी होती थी और जिसे भाजपा ने खत्म कर दिया। सांसद ने ग्रामीणों से कहा कि डरने की कोई जरूरत नहीं है, रात एक बजे भी फोन कर देना, उनका बेटा खड़ा मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि तीसरी बार भी देश व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। कुछ गांव में अपने विरोध का जिक्र भी अरविंद शर्मा ने किया लेकिन इसके लिए उन्होंने कहा कि परिवारवादियों और भ्रष्टाचारियों के बहकावे में आकर कुछ लोगों ने यह काम किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए हुड्डा परिवार छटपटा रहा है और चुनाव जीतने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकते है। सांसद अरविंद शर्मा ने कहा कि लोग अब कांग्रेस के बहकावे में आने वाले नहीं है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों, गरीब मजदूरों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों, युवाओं की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने के बाद इन लोगों को आगे बढ़ाने की दिशा में नीतियों को बनाया और पंक्ति में अंतिम व्यक्ति तक भाजपा सरकार ने योजनाओं का लाभ पहुंचाया है।

भाजपा ने डोर-टू-डोर अभियान चलाया

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने शनिवार प्रेम नगर में डोर टू डोर जाकर रोहतक लोकसभा के प्रत्याशी डॉक्टर अरविंद शर्मा के लिए वोट मांगे। उन्होंने कहा कि जनता से अब एक बार फिर डॉक्टर अरविंद शर्मा को सांसद बनाकर देश की सबसे बड़ी पंचायत में भेजेगी। पूर्व मंत्री ने भी जनता को आश्वासन दिया कि जो काम रह गए हैं, उन कामों को पूरा करवाया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

मांगें न मानने पर अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ करेगा बिजली मंत्री का विरोध : नांदल

■ नवनिर्वाचित जिला मंत्री राहुल कुमार का किया बैठक में स्वागत

रोहतक। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुडा सिटी पार्क में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनीष नांदल ने की एवं मंच संचालन जिला सचिव राहुल कुमार ने किया। बैठक में विशेष रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष संदीप बागनवाला व प्रदेश प्रेस सचिव रविंद्र हुड्डा उपस्थित रहे। प्रदेश में नवनिर्वाचित प्रदेश प्रेस सचिव रविंद्र हुड्डा व भारतीय मजदूर संघ रोहतक के नवनिर्वाचित जिला मंत्री राहुल कुमार का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। भारतीय मजदूर संघ का जिला मंत्री बनने के कारण सर्वसम्मति से जिला सचिव राहुल कुमार की जगह पवन जागलान को रोहतक का जिला सचिव बनाया गया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि यदि समय रहते बिजली मंत्री ने थर्मल के समझौते को लागू नहीं किया तो हिसार जिले में बिजली मंत्री के आगामी कार्यक्रमों का संगठन के कार्यकर्ता भारी विरोध करेंगे और रोहतक में भी भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी का विरोध किया जाएगा। बैठक में सोनीपत जिले से अध्यक्ष बिट्टू श्योराण, उपाध्यक्ष देवेंद्र, जिला कोषाध्यक्ष ऋषि ढुहन, संगठनकर्ता राकेश, जिला प्रेस सचिव सुरेश, जिला सलाहकार संदीप व अनुशासन समिति सदस्य बलवान आदि उपस्थित रहे।

गीता में जिंदगी का संदेश : स्वामी ज्ञानानंद

रोहतक। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के अवतरण दिवस के उपलक्ष में पठानिया वर्ल्ड कैंपस स्कूल में रोटरी क्लब ऑफ रोहतक एवं जिओ गीता द्वारा नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता में पूरी जिंदगी का संदेश छिपा है ,उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गीता का स्थान सर्वोच्च है। गीता में आत्मा, परमात्मा, भक्ति, कर्म, जीवन आदि का वृहद रूप से वर्णन किया गया है। डॉ. मारकंडेय आहूजा ने कहा कि लोग आंखों की सेहत पर उतना ध्यान नहीं देते जितना उन्हें देना चाहिए। यही वजह है कि 40 की उम्र तक आते-आते कई लोग आंखों की गंभीर समस्याओं के शिकार हो जाते हैं, उनमें से काला मोतिया एक है। इस मौके पर स्कूल डायरेक्टर अंशुल पठानिया, डॉक्टर अंजू आहूजा, तन्वी पठानिया, सुमित, मुकेश टक्कर, डॉक्टर जोगिंदर, सुरेश भुटियानी, सुरेश कथूरिया, अमित नागपाल, डॉ. वीरेंद्र, अंशित आहूजा सहित अन्य मौजूद रहे।

पानी को शुद्ध रखना सामाजिक जिम्मेदारी,नहरों मे आस्था के नाम पर सामान न डालें : डॉ. रमेश

रोहतक। हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर(हरसेक) से रिटायर्ड मुख्य वैज्ञानिक डॉ रमेश हुड्डा ने कहा कि जल के स्रोत सिमटते जा रहे हैं और जल की आपूर्ति वर्तमान में नहरों के जरिए हो रही है। इसलिए नहरों के जल को प्रदूषण मुक्त रखना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। डॉ हुड्डा सुनो नहरों की पुकार मिशन के सदस्यों से मिले और उनके द्वारा चलाए जा रहे मिशन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि स्पेस रिसर्च से पता चलती है कि छोटी बड़ी नदियां ग्लेशियर जो कि जल का बहुत बड़ा स्रोत मानी जाती थी वो लगभग समाप्ति के कगार पर हैं। इसलिए हमें भविष्य व वर्तमान को देखते हुए नहरों नदियों के जल को शुद्ध रखना चाहिए। मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ जसमेर सिंह ने बताया कि नहरों मे आस्था और अंधविश्वास के नाम पर बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की थैली व अन्य सामान डाला जा रहा है जो कि जलीय जीवों, मानव और पर्यावरण के लिए बहुत ही घातक सिद्ध हो रहा है । इस अवसर पर मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ जसमेर सिंह, महासचिव मुकेश नैनकवाल, सह सचिव अजय हुड्डा, प्रीत सिंह अहलावत, साहब सिंह धामड, राजबीर मलिक, कर्ण सिंह अहलावत, रणबीर सिंह मलिक, अमित हुड्डा आदि उपस्थित रहे।

इंडस पब्लिक स्कूल में मातृत्व दिवस मनाया

विद्यार्थियों ने वात्सल्य रस से सराबोर कविताएं सुनाकर बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को मातृत्व दिवस मनाया गया। इस मौके पर कक्षा तीसरी से छठी तक के विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया गया। मां को समर्पित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मां के लिए कार्ड बनाए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा व आमंत्रित माताओं ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। कक्षा आठवीं की छात्राओं ने गायन वाद्य द्वारा मां शारदा की स्तुति की। इसके बाद विद्यार्थियों ने कविता, भाषण, नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति द्वारा माताओं के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। छात्रा हिया व श्रुति की प्रस्तुति पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। छात्रा यतिका ने ओजपूर्ण शैली में अपने उद्गार प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। बच्चों ने भी एक से बढ़कर एक भावपूर्ण, मनोरंजक, मार्मिक कविताओं से माताओं को वात्सल्य रस से सराबोर कर दिया। संगीत की धुन में रैंप वॉक आकर्षक बिंदु रहा। जिसमें प्रथम स्थान पर रूही व उसकी माता, द्वितीय स्थान पर वैष्णवी व उसकी माता, तृतीय स्थान पर किंजल व लावण्या व उसकी माता रही। माताओं संग बच्चों की नृत्य की प्रस्तुति में प्रथम स्थान पर प्रतिभा, द्वितीय स्थान पर अरमान और तृतीय स्थान निष्ठा की माता ने हासिल किया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी, उन्होंने कहा कि एक मां ही होती है जो बिना किसी स्वार्थ के खुद को मुसीबत में डालकर हर समय अपने बच्चे की ढाल बनकर खड़ी रहती है, मां के निःस्वार्थ भाव और उसकी अहमियत को शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया व सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सृष्टि का कण-कण मातृत्व के गुण का गुणगान करें तो भी मां के गुणों को वर्णित नहीं किया जा सकता। मां किसी भी मानव के जीवन का एक अनमोल रत्न होती है। मां के चरणों में संसार का संपूर्ण वैभव होता है। इसलिए सदा हमें अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए।

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

आवरण कथा / कुमार राधारमण

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।'* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

जज्बात / मुनव्वर राना

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।

इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

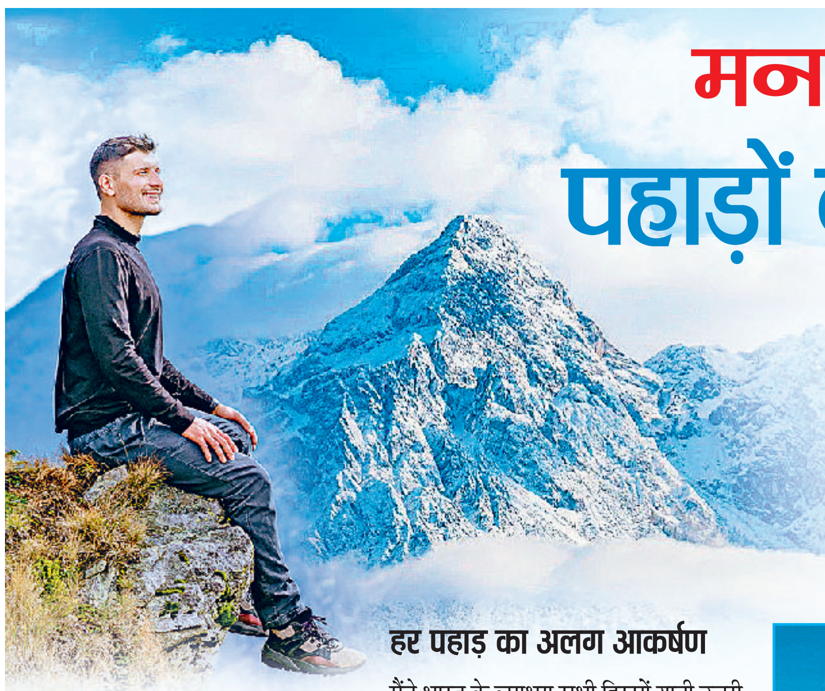

मनमोहक-आकर्षक
पहाड़ों का कुदरती सौंदर्य

घूमने के लिए तो देश-दुनिया में बहुत कुछ है, लेकिन जिन्हें कुदरती नजारे लुभाते हैं, वे पहाड़ों और उसकी हरी-भरी वादियों में घूमना बहुत पसंद करते हैं। अपने देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित पहाड़ों की क्या विशेषताएं हैं, वे एक-दूसरे से कितने अलग हैं, इनका अनुभव लेखक बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

नेचर ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

हल्की-हल्की ठंडी हवा देवदार के पेड़ों में झंकार पैदा करते हुए बह रही थी। दूधिया झरना पत्थरों के बीच में से होता हुआ उतर रहा था। कहीं दूर बर्फीला तीतर अपने साथी को पुकार रहा था। पहाड़ी के ऊपर बने पुरातन मंदिर में सूरज की किरणें पड़ रही थीं, जो बर्फीली मोती जैसी चोटियों को भी चमका रही थीं। सब कुछ परियों के देश जैसा लग रहा था। मैं पहाड़ों की यात्रा पर था। यह पिछले जाड़ों की बात है।

पहाड़ों का अस्तित्व है जरूरी

पहाड़ आपको लुभाते हों या नहीं लेकिन यह सभी को पता होना चाहिए कि पहाड़ों में जीवन देने की कितनी क्षमता होती है। साथ ही पहाड़ों की शानदार जैव विविधता की महत्ता को समझकर उसके संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें जो ताजा, पीने योग्य पानी मिलता है, उसका 60 से 80 प्रतिशत पहाड़ों से हासिल होता है। पहाड़ असंख्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को अपनी गोद में आसरा देते हैं। पहाड़ संपूर्ण भूमंडल का 24 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं और 13 प्रतिशत ग्लोबल जनसंख्या को शरण देते हैं। इन महत्ताओं को जानने के अलावा पहाड़ी सौंदर्य मुझे हमेशा आकृष्ट करता रहा है। पहाड़ खामोश प्रहरी हैं, जो अनेक तरह से हमारी रक्षा करते हैं। पहाड़ों की यात्रा करने का अर्थ है प्रकृति से ऐसे जुड़ना कि अपने ही मन की गहराइयों में उतरने का अवसर मिल जाए।

हर पहाड़ का अलग आकर्षण

मैंने भारत के लगभग सभी हिस्सों यानी उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में स्थित पहाड़ों की यात्रा की है। हर पर्वत श्रृंखला का अपना एक अलग ही आकर्षण होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि पहाड़ों की ऊंचाई और भूखंड कैसा है, क्योंकि इन्हीं से वहां का क्लाइमेट, वेजिटेशन और लोगों की जीवनशैली तय होती है। पिछले साल नवंबर में जब मैं उत्तराखंड के पहाड़ों से रूबरू होने गया था तो मैंने विंटरलाइन की मंत्रमुग्ध करने वाली सुंदरता का आनंद लिया, जहां जाड़ों के महीनों में शाम के समय नारंगी-सुनहरा कृत्रिम क्षितिज बन जाता है। यह दुनिया में सिर्फ दो ही जगह दिखाई देता है- अपने देश के मसूरी में और स्विट्जरलैंड में। इसी तरह जब मैं इस साल जनवरी में हिमाचल प्रदेश में था, तो मैंने एल्पेन ग्लो इफेक्ट देखा, जब सूर्य की किरणों के बिखरने से बर्फ से ढंकी चोटियां जलती आग की तरह लाल हो जाती हैं। इन दोनों ही कंडीशंस को समझने के लिए, वैज्ञानिक दृष्टि और सिद्धांत तो है ही, लेकिन मुझ जैसे आम घुमक्कड़ के लिए यह प्रकृति का चमत्कार है, शानदार जादू है, जिसे केवल पहाड़ों में ही देखा जा सकता है।

दिल को छू लेती है उनकी सुंदरता

अगर टिहरी में मुझे देवदार के पेड़ों की सोंधी-सोंधी गंध ने मंत्रमुग्ध किया तो नड्डी के घने जंगलों ने मुझे अचरज से भर दिया। दक्षिण भारत में पहाड़ आमतौर से चाय बागानों का घर होते हैं, जैसे कि ऊटी, कुनोर और मुन्नार में। लेकिन बीच-बीच में ऊंचे सिल्वर ओक और यूकेलिप्टस के पेड़ भी हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे वह नीले आसमान से कुछ राज की बातें सरगोशियों में कर रहे हों।

पहाड़ी पर्यटन का अनोखा आनंद

पहाड़ों की यात्रा करते समय मुझे आमतौर से सीधे, सच्चे, धार्मिक और मिलनसार स्थानीय लोग मिलते हैं, जो पर्यटकों का खुले दिल, खुली बाहों और मुस्कान के साथ स्वागत करते हैं। ये अपनी प्राकृतिक धरोहर पर गर्व करते हैं और पर्यटकों को अपनी भूमि, अपने देवताओं, अपने पशुओं और पहाड़ों के साथ अपने गहरे रिश्तों की दिल को स्पर्श करने वाली कहानियां सुनाते हुए कभी थकते नहीं हैं। मैं अक्सर अकेला ही यात्रा करता हूं, इसलिए मैंने स्थानीय लोगों के साथ सुनसान जंगलों, खामोश पहाड़ों में घंटों बिताए हैं, लेकिन कभी भी मैंने परेशानी या असुरक्षा का एहसास तक नहीं किया। *

हम ही पहुंचा रहे नुकसान

पहाड़ केवल शानदार नजारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स योग्य तस्वीरों के लिए नहीं होते हैं। पहाड़ों में जीवन जीना कठिन भी होता है। चलना और बुनियादी काम जैसे कुकिंग और खेती के लिए भी जबरदस्त शारीरिक श्रम और स्टैमिना की आवश्यकता होती है। उनका इकोसिस्टम बहुत नाजुक होता है, जिसे संभालने और संरक्षित करने की जरूरत होती है। पहाड़ों पर जब बारिश पड़ती है या बर्फ गिरती है तो एक जगह से दूसरी जगह जाना और चीजों की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाते हैं। प्राकृतिक आपदाएं जैसे फ्लैश फ्लड्स, भू-स्खलन, हिम-स्खलन आदि जीवन को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे सुरक्षा और जीविकोपार्जन के लिए संकट उत्पन्न हो जाते हैं। अकसर ये आपदाएं मानव-निर्मित भी होती हैं। गैर-जिम्मेदाराना पर्यटन, स्वार्थी कमर्शियल लक्ष्य, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना, अनियोजित शहरीकरण आदि कारण हैं, जिनसे पहाड़ों और पहाड़ी जीवन को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर जैसे हिमालय पहाड़ के राज्यों में हाल के वर्षों में जो प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, वे हमसे सख्ती से कह रही हैं कि प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न मत करो वर्ना प्रकृति का गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर पाओगे।

उपयोगी पेड़ / शिवचरण चौहान

कहते हैं, मई-जून में अमलतास के फूल जितना अधिक खिलते हैं, मानसून में उतनी ही अच्छी बरसात होती है। अमलतास का फूलना सदैव मंगलकारी माना गया है। इस वृक्ष के विभिन्न नाम, प्रकार और विशेषताओं के बारे में जानिए।

पीले फूलों वाला
अमलतास का वृक्ष

पीले सुंदर फूलों वाले वृक्ष अमलतास को देव वृक्ष भी कहा जाता है। संस्कृत के कवि कालिदास ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और इसे स्वर्ण फूल वाला वृक्ष कहा है। सचमुच सुंदर पीले फूलों से शोभायमान अमलतास अपने अद्भुत सौंदर्य से सबका मन मोह लेता है। यह वृक्ष भारत और म्यांमार के जंगलों में खूब पाया जाता है। यह पेड़ ज्यादातर समूह में नहीं उगता, लेकिन उन जंगलों में यह समूहों में उगता है, जिन जंगलों में बंदरों की अधिकता होती है। जब बंदर इसकी फलियों को तोड़ते हैं तो इसके बीज बिखर जाते हैं। इस तरह इन्हें दूसरी जगह पर उगने और फैलने का अवसर मिल जाता है, यह इसलिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसके बीज कठिनाई से उगते हैं। इसके ज्यादातर बीजों को कीड़े फलियों के अंदर ही खा जाते हैं।

पेड़ की विशेषताएं: छोटे पौधों की छाल हरी, धुएं के रंग जैसी और चिकनी होती है। जो पेड़ पर ही लगे रहने के कारण काली ओर खुरदरी होती चली जाती है। अमलतास के फूल गर्म मौसम में अप्रैल, मई, जून के महीने में खिलते हैं। इन फूलों से लदे पेड़ों की सुंदरता देखने लायक होती है। लंबे पतीले से डंठलों पर लटकने वाले पीले फूल और गोल कलियां कानों में लटकने वाले झुमकों के समान दिखाई देते हैं। इसके पत्ते आकार में बड़े और जुड़े हुए होते हैं। पत्ते तीन से आठ जोड़ों में उगते हैं।

अमलतास के फूलों की छटा और नए पत्तों के रंगों को देखते हुए इसके कई भेद किए गए हैं। इसकी फलियां प्रारंभ में हरी ओर कोमल होती हैं। यह फलियां केंद्र से दो फीट लंबी लटकती हैं। हर फली में पच्चीस से सौ तक भूरे रंग के चमकीले बीज अलग-अलग खानों में पड़े रहते हैं। फली के अंदर काला मीठा गूदा रहता है, जो इन बीजों के साथ लगा रहता है। इस काले से गूदे को अमलतास का गुड़ कहते हैं। बंदर, गीदड़ और भालू आदि कई प्राणी इस प्राकृतिक गुड़ को चाव से खाते हैं। खासकर इसकी फली के कारण यह पेड़ बंदरों को विशेष रूप से प्रिय है। यही कारण है कि इस अमलतास के पेड़ का एक नाम 'बंदर लाठी' भी है।

नाम हैं कई : अमलतास का पेड़ भारत में लगभग सभी प्रांतों में पाया जाता है। पहाड़ों में भी 2000 फीट की ऊंचाई तक यह पाया जाता है। हर प्रदेश में इसका नाम अलग-अलग है। हिंदी में इसे किराल, किलवली, सिनार, तेलुगु में रेला, संस्कृत में सुवर्णक, बंगाली में बंदर लाठी, सोनाली, मराठी में जंबा, बेहावा, गुजराती में गरमा डो और अंग्रेजी में इंडियन लैबनर्म कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम कासिआ फीस्टुला है। अन्य भारतीय भाषाओं में इसके नाम किरमाल, गिरमाल आदि हैं। ये शब्द संस्कृत के कृतमाल शब्द से निकले हैं। माला के समान लटकते फूलों के कारण संस्कृत में इसे कृतमाल का नाम दिया गया है। मालवा क्षेत्र में इसे गिरमली नाम से जाना जाता है। डच भाषा में इसे गोल्डन शावर नाम दिया गया है। चिकित्सा ग्रंथों में इसे स्वर्णद्रुम, स्वर्णाश और स्वर्ण भूषण जैसे नाम दिए गए हैं। वाल्मीकि ऋषि ने इसे कांचन वृक्ष अर्थात सोने के पेड़ जैसा सुंदर नाम दिया है। फूलों के उल्लास भरे सौंदर्य के कारण इसे राजवृक्ष अर्थात वृक्षों का राजा नाम भी दिया गया है।

अमलतास के वंश का एक और पौधा : अमलतास के वंश का एक और पौधा पाया जाता है, जिसे सनाय, अंग्रेजी में इंडियन सेन्ना, संस्कृत में भूपक्ष कहते हैं। यह झाड़ी नुमा होता है। दक्षिण भारत, अरब और सोमालीलैंड में इसकी प्रजातियां पाई जाती हैं। अमलतास के पत्ते ग्रीष्म ऋतु में गिर जाते हैं और फिर नए पत्ते आते हैं। अप्रैल, मई और जून में अमलतास बागों में या शहरों और महानगरों में सड़क किनारे अपने पीले फूलों से छटा बिखेरता दिखाई देता है।

अमलतास के उपयोगी गुण : अमलतास में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। अमलतास का लंबा-सा फल बहुपयोगी होता है। फल का गूदा रेचक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। अमलतास के पेड़ की छाल को सुमारी कहते हैं। इसमें टेनिन प्रचुर मात्रा में होता है। अमलतास की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, जो मकान, पुल और खेती में उपयोगी अनेक प्रकार के औजार बनाने के काम आती है। *

आत्मचिंतन / राजयोगी बीके निकुंज जी

संपूर्ण विश्व है एक परिवार

आत्मवत सर्व भूतानि यः पश्यति सः पंडिताः इस पौराणिक सूत्र में मानव कल्याण की समग्र भावना सन्निहित है। यह सारा विश्व एक सूत्र में बंध सकता है, यदि हम सभी संसार को एक कुटुंब के रूप में देखें और प्रत्येक मनुष्य से वैसे ही प्रेम करें, जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों से करते हैं।

सभी मनुष्यों में रक्त संबंधः प्राकृतिक रचना की दृष्टि से भी देखा जाए तो सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि परिवार उसे माना जाता है जहां रक्त का संबंध स्थापित हो सके और संसार के किसी भी कोने के मानव का रक्त, संसार के किसी भी दूसरे कोने के अन्य मानव को चढ़ाया जा सकता है। और जहां तक रक्त के ग्रुप की बात है वह तो पिता और पुत्र का भी अलग-अलग हो सकता है अन्यथा जाति, कुल आदि के आधार पर रक्त की भिन्नता नहीं है। हम जानते हैं, एक ही केंद्र या स्रोत से निकलने वाले जल की कालांतर में अनेक धाराएं बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस विश्व परिवार के साथ भी हुआ है। बीज और तने की सही जानकारी न होने के कारण कालांतर में निकली शाखाएं अपने को ही मूल पेड़ मान बैठी हैं और इस प्रकार शाखाएं, उप-शाखाएं, टहनियां आपस में टकराने लगी हैं। अब, पेड़ तो जड़ होता है और उसका बीज बोल नहीं सकता, नहीं तो वो बताता कि कौन-सी शाखा पहले आई, कौन-सी बाद में अर्थात पेड़ के क्रमवार विकास की जानकारी वह देता। परंतु, सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज परमात्मा तो चेतन है। जब वह देखता है कि वैश्विक भावना को भूलकर उसके बच्चे छोटे-छोटे समूहों में बंट गए हैं और एक-दूसरे से कट गए हैं, उनका प्रेम संकुचित और स्वार्थपरक हो गया है, तब ऐसे माहौल को मिटाने के लिए वह स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर हम मनुष्यों को विश्व-परिवार की भावना से, एक परिवार में जोड़ने का महान कार्य करते हैं।

हम ना भूलें विश्व परिवार की भावनाः आज जबकि भ्रष्टाचार सहित अनेकानेक समस्याओं से देश और विश्व जूझ रहा है, सभी में यदि विश्व परिवार की यह उच्चतम श्रेष्ठ भावना घर कर जाए तो इन सभी समस्याओं को छूमंतर होने में देरी नही लगेगी। स्मरण रहे, मेरे-तेरे की क्षुद्र भावनाएं ही समस्याओं को जन्म देती हैं, आपस में दूरियां बढ़ाती हैं। इसीलिए आज आवश्यक है कि हम संपूर्ण विश्व को अपने परिवार का हिस्सा मानें। किसी के प्रति कोई दुर्भावना ना पालें। इस सोच से ही विश्व का कल्याण संभव है। *

फीलिंग्स

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' की कहानी के केंद्र में परिवार है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) के अवसर पर परिवार के महत्व के बारे में **हरिभूमि** को बता रहे हैं, शो के कलाकार।

हमारा प्यारा सपोर्ट सिस्टम
हमारा परिवार

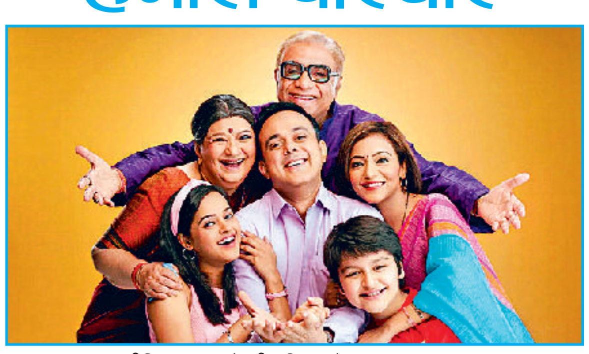

सीरियल 'वागले की दुनिया' के प्रमुख कलाकार

एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की दैनिक चुनौतियों, खुशियों और आपसी बंधन की कहानी को 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' सीरियल में दिखाया जा रहा है। परिवार की महत्ता के बारे में अपनी फीलिंग्स यहां शेयर कर रहे हैं शो के एक्टर्स।

सीरियल 'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले **अंजन श्रीवास्तव** कहते हैं, 'हमारा शो फैमिली की इंपॉर्टेंस को ही बताता है। मेरा मानना है कि फैमिली भी देश की तरह होती है। हैप्पी फैमिली के लिए हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। संभव है, इसमें रुकावटें आएंगी, ऑब्जेक्शंस होंगे, लेकिन इस वजह से हम फैमिली से अलग नहीं हो सकते। अपनी बात करूं, तो 54 सालों के मेरे प्रोफेशनल करियर में मेरी फैमिली, खासतौर से मेरी वाइफ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरा मानना है कि किसी भी फील्ड में ग्रो करने के लिए फैमिली सपोर्ट का बहुत बड़ा रोल होता है।'

सीरियल में राधिका वागले की भूमिका निभा रहीं **भारती आचरेकर** फैमिली की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहती हैं, 'फैमिली को मैं बहुत इंपॉर्टेंट मानती हूं। हालांकि मैंने बहुत साल अकेले गुजारे हैं। दरअसल, जब मैं 34 साल की थी तभी अपने पति को खो दिया। अब मैं और मेरा बेटा, यही मेरी फैमिली है। लेकिन मेरा मानना है कि फैमिली होना, उसका सपोर्ट होना बहुत जरूरी है। बेटे के अलावा मेरी चार बहनें हैं और हम सभी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। मेरी बहनें आस-पास ही रहती हैं, कभी भी जरूरत पड़ने पर वे भागकर आती हैं। इससे मेरे मन में यह बात जरूर रहती है कि मेरी फैमिली है और जरूरत के वक्त मेरे फैमिली मेंबर्स मेरे साथ खड़े होंगे। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

शो में राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले **सुमित राघवन** कहते हैं, 'चाहे आनंद के क्षणों को साझा करना हो या एक साथ चुनौतियों से गुजरना हो, परिजनों का एक नेटवर्क होना वास्तव में आशीर्वाद की तरह है। आज की दौड़ती-भागती दुनिया में, खासकर बड़े शहरों में लोग तेजी से अलग-थलग हो रहे हैं। ऐसे में परिवार की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मेरा मानना है कि हमारे सीरियल 'वागले की दुनिया' ने दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, इससे उन्हें संयुक्त परिवार की अवधारणा को अपनाने और अपने प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिली है।'

सीरियल में वंदना वागले की भूमिका निभाने वालीं **परिवा प्रणति** कहती हैं, 'वंदना वागले के रूप में मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है, जो पारिवारिक जीवन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। इस सीरियल में हम उन बंधनों का जश्न मनाते हैं, जो हमें एक-साथ बांधते हैं। हम तीन साल से अधिक समय से साथ में काम कर रहे हैं और ऑफ-स्क्रीन भी एक परिवार की तरह हो गए हैं। वास्तविक जीवन में भी अपने परिवार में प्रियजनों के साथ रहने से जो खुशी और संबल मिलता है, वो अमूल्य होता है। हमें हर हाल में परिवार के साथ जुड़े रहना चाहिए।'

सीरियल में सखी वागले की भूमिका निभाने वाली **चिन्मयी साल्वी** कहती हैं, 'अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, पारिवारिक बंधनों की सुंदरता का जश्न मनाने का क्षण होता है। हमें अपने परिवार के साथ जो भी खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। हमारा शो भी परिवारों के भीतर एकजुटता, सहानुभूति और समझ के महत्व को बताता है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

बड़ा पर्दा
अशोक जोशी

हालांकि लगभग हर फिल्म में मां किसी न किसी रूप में दिखाई जाती है। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो मातृ शक्ति को पर्दे पर शिद्दत के साथ पेश करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने मां के कद को और ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखे
मां की ममता के रंग

'मदर इंडिया' : नरगिस ने निभाई यादगार भूमिका

'दीवार' : ममतामयी-सख्त किरदार में निरूपा राय

'करन-अर्जुन' : राखी ने निभाई दमदार भूमिका

बात जब मां के चरित्र पर केंद्रित फिल्मों की आती है तो सबसे पहले 'मदर इंडिया' का नाम जेहन में आता है। 1957 में आई नरगिस, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त अभिनीत इस फिल्म को महबूब खान ने निर्देशित किया था। 'मदर इंडिया' देश की आजादी के बाद की कहानी है, जिसमें एक गरीबी से त्रस्त महिला राधा, पति की गैर-मौजूदगी में अपने बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करती दिखती है। यह ऐसी मां है, जो न तो अपने चरित्र पर दाग लगने देती है बल्कि अपने गांव की एक बेटी को दाग लगने से बचाने के लिए अपने बेटे की जान लेने तक से नहीं हिचकती।

ममतामयी ही नहीं कठोर भीः 'मदर इंडिया' में चित्रित मां का चरित्र बाद में कई सफल फिल्मों का आधार बना। सलीम जावेद ने अपनी फिल्म 'दीवार' और 'त्रिशूल' में ऐसी ही मां को चित्रित किया, जिसे निरूपा राय और वहीदा रहमान ने सशक्त तरीके से पर्दे पर उतारा। संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' की मां रीमा लागू भी ऐसी ही ममतामयी लेकिन सख्त मां है, जो अपने अपराधी बेटे को अपराध के दलदल से निकालने के लिए पिस्तौल का सहारा लेती है। सुचित्रा सेन, अशोक कुमार और धर्मेंद्र अभिनीत 1966 की हिंदी फिल्म 'ममता' उस युवती की कहानी है, जो अपनी उस मां के तलाश में है, जिसने बेटी के बेहतर जीवन के लिए अपने सपनों और अभिलाषाओं का त्याग कर दिया था। फिल्म का निर्देशन असित सेन ने किया था।

मां से जुड़ाव को उकेरती फिल्में : यूं तो 'आराधना' को एक रोमांटिक फिल्म माना जाता है, लेकिन इस फिल्म का आधार एक ऐसी मां की कहानी है, जो अपने बेटे का जीवन संवारने के लिए जेल तक चली जाती है। उसे अंत तक पता नहीं लगने देती कि वह उसकी मां है। बलिदानी मां की इस भूमिका को शर्मिला टैगोर ने बड़ी खूबसूरती से निभाया था। सलमान खान और शाहरुख खान अभिनीत 'करण अर्जुन' मां-बेटों के बीच प्यार की बड़ी खूबसूरत कहानी है। संपत्ति की लालच में मार दिए गए अपने दोनों बेटों के फिर से लौटने के इंतजार में बैठी मां (राखी) को आखिरकार उसके बेटे वापस मिल जाते हैं। फिल्म में मां की ममता के विश्वास की दृढ़ता और उसकी वजह से असंभव को भी संभव बनने का संदेश दिया गया है। फिल्म को राकेश रोशन ने निर्देशित किया है। 'राम लखन' में भी राखी ने ऐसी ही मां की भूमिका निभाई थी।

अचला सचदेव

रीमा लागू

ललिता पंवार

दुर्गा खोटे

कुछ भी कर गुजरने को तैयार मां : 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'जख्म' दंगों में जला दी गई एक मुस्लिम मां की कहानी है। पूरी फिल्म एक मुस्लिम मां के उस हिंदू बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए मरने के बाद उसे सम्मान के साथ दफन करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी बताती है कि कैसे एक मां अपने बच्चे और अपने प्यार के लिए आदर्श बनने के लिए अपनी आस्था छोड़ देती है। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके खुद के जीवन के काफी करीब है।

भावनात्मक लगाव दर्शाती फिल्में : महाश्वेता देवी के लिखे बांग्ला उपन्यास पर आधारित गोविंद निहलानी के निर्देशन में बनी 'हजार चौरासी की मां' उस मां की कहानी है, जो नक्सली विचारों से प्रेरित अपने बेटे को एक पुलिस मुठभेड़ में खो देती है और उसके शव के नंबर 1084 की वजह से हजार चौरासी की मां कही जाती है। फिल्म में जया बच्चन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 'निल बटे सन्नाटा' एक ऐसी वंचित लेकिन सशक्त मां की कहानी है, जो अपनी बेटी के लिए बड़े-बड़े सपने देखती है।

मां के रोल में खूब किया गया इनको पसंदः फिल्मों में सहृदय ममतामयी मां की भूमिका को निरूपा राय ने इतनी शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है कि आम जीवन में भी सभी सीधी-सादी मां को निरूपा राय कह कर ही पुकारा जाता है। अचला सचदेव, लीला चिटणीस और सुलोचना जैसी कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्हें दर्शकों ने हमेशा मां की भूमिका में ही देखा। जब गौरवशाली और ममतामयी मां की भूमिका का उल्लेख होता है तो 'मुगले आजम' में जोधा बाई की भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोटे का नाम भुलाए नहीं भूलता। आधुनिक फिल्मी माताओं में रीमा लागू ने एक सेलिब्रिटी मां के चरित्र को पर्दे पर उतारा है। क्रूर और सौतेली मां की भूमिका में ललिता पंवार, शशिकला और अरुणा इरानी ने नाम कमाया। कुछ अभिनेत्रियां, कुछ खास नायकों की मां के लिए रोल मॉडल बना दी गईं। कामिनी कौशल को मनोज कुमार की मां के रूप में पसंद किया गया तो रीमा लागू सलमान खान की मां के रोल में खूब पसंद की गईं। *